



वक्रतुण्ड महाकाय, सूर्यकोटी समप्रभः।
निर्विघ्नं कुरु मे देव, सर्व कार्येषु सर्वदा॥

श्रीमान् मान्यवर,

॥ श्री गणेशाय नमः ॥



विघ्न हरण मंगल करण, गौरी पुत्र गणेश ।
प्रथम निमंत्रण आपको ब्रम्हा विष्णु महेश ॥



परमपिता परमेश्वर की असीम कृपासे सोलह संस्कारों में से एक पाणिग्रहण संस्कार के शुभ अवसर पर

श्री गायत्री देवी पत्नी श्री हरिश्चंद्र झा के आत्मज

वि. पंकज

(सुपौत्र - स्व. जागेश्वरी देवी एवं स्व. भुवनेश्वर झा
निवासी : ग्राम - बलहा, जि. मधुबनी, बिहार)



सौ. कां. अर्चना

(आत्मजा श्रीमती कामिनी मिश्र एवं श्री महेशकान्त मिश्र
सुपौत्री - श्रीमती इन्द्रकला देवी मिश्र एवं स्व. चंद्रशेखर मिश्र
निवासी : ग्राम - सतधारा, जि. मधुबनी, बिहार)



❖ दर्शनाभिलाषी ❖

समस्त झा परिवार



❖ के मंगल परिणयोत्सव ❖

की मांगलिक बेला पर आप सस्नेह सादर आमंत्रित हैं।
कृपया पधारकर नव दम्पति को शुभाशीर्वाद प्रदान कर हमें अनुग्रहित करें।



❖ निमंत्रक ❖

श्री हरिश्चंद्र झा

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

मंगलम् भगवान् विष्णु
मंगलम् पुण्डरी काक्षः

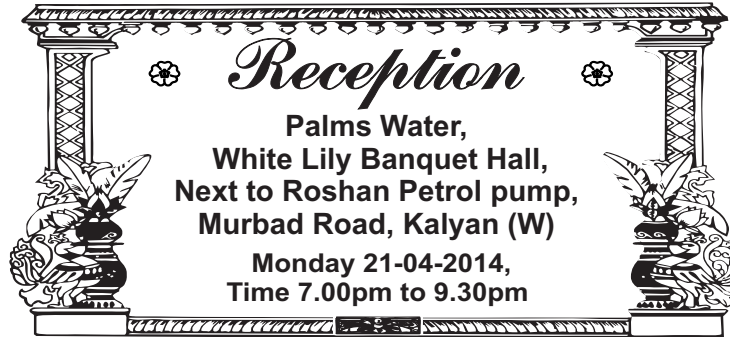


मंगलम् गरुड ध्वजः ।
मंगलाय तनो हरिः ॥



❖ शुभ विवाह ❖

दि. २१/०४/२०१४
सोमवार शाम १०.००



भोज रहें हैं। निमंत्रण प्रियवर तुम्हें बुलाने को
हैं मानव के राजहंस तुम भूल न जाना आने को -



❖ बारात प्रस्थान ❖

दि. २१/०४/२०१४
सोमवार शाम ४ बजे
मिरा रोड से कल्याण